हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

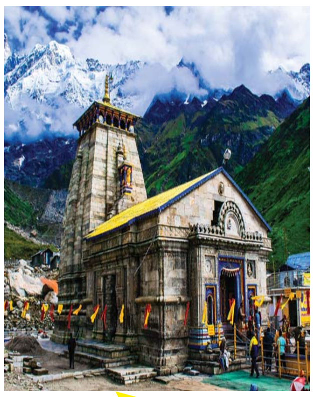

वर्ष:4 अंक:328 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, मंगलवार, 02 दिसंबर 2025

देवभूमि से देववाणी संस्कृत के सम्मान में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की बड़ी घोषणा

उच्च स्तरीय संस्कृत आयोग गठित, उत्तराखंड की दूसरी राजभाषा संस्कृत का होगा वैश्विक प्रचार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रसार के लिए राज्य में एक उच्च स्तरीय संस्कृत आयोग गठित किए जाने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में भारत सहित अनेक देशों के विद्वानों ने भाग लिया और 'भारतीय ज्ञान परंपराः वैश्विक ज्ञान के विकास में संस्कृत का योगदान' विषय पर गहन विमर्श किया।

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति की बौद्धिक विरासत को आधुनिक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए बताया कि संस्कृत उनके लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रही है। विद्यालयी शिक्षा में कक्षा 9 तक संस्कृत पढ़ने के दौरान सीखे गए श्लोक, भाषाई संरचना और व्याकरण आज भी उन्हें स्मरण है। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक, वैचारिक और वैज्ञानिक धरोहर का आधार है। वेद, पुराण, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, दर्शन और ज्योतिष जैसे प्राचीन शास्त्रों का ज्ञान संसार को

संस्कृत के माध्यम से प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में संस्कृत पुनर्जागरण का नया दौर प्रारंभ हुआ है। नई शिक्षा नीति में संस्कृत को आधुनिक एवं व्यवहारिक भाषा के रूप में स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया है। ई-संस्कृत प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्स, डिजिटल साहित्य, ऑनलाइन पाठ्य-सामग्री जैसी पहलों ने इस भाषा को युवाओं तक सरलता से पहुंचाया है। उन्होंने कर्नाटक के मट्टूर गाँव का उदाहरण देते हुए कहा कि आज भी संस्कृत दैनिक संवाद की भाषा बन सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि गार्गी संस्कृत बालिका छात्रवृत्ति योजना के तहत संस्कृत विद्यालयों की छात्राओं को ?251 मासिक छात्रवृत्ति दी जा रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर एससी/एसटी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत संस्कृत विषय के विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान योजना के तहत हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्रों को 5100, 4100 और 3100 की पुरस्कार राशि दी जाती है। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय और श्री रघुनाथकीर्ति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा अखिल भारतीय शोध सम्मेलन, वेद सम्मेलन, ज्योतिष सम्मेलन, संस्कृत शिक्षक कौशल विकास कार्यशालाएं और छात्र प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य के प्रत्येक जनपद में 'आदर्श संस्कृत ग्राम' स्थापित किए जाएंगे, जहाँ संस्कृत को जीवनचर्या में अपनाने की प्रेरणा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड की पावन भूमि वेदों, ऋषि-मुनियों और अनेक ज्ञान-परंपराओं की जन्मभूमि रही है। यहाँ संस्कृत का संरक्षण केवल सांस्कृतिक दायित्व ही नहीं, बल्कि भविष्य के ज्ञान-विकास की नींव भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कृत भविष्य में केवल अनुष्ठान की भाषा न रहकर आम जन की वाणी के रूप में भी प्रतिष्ठित होगी।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक आदेश चौहान, विधायक प्रदीप बत्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद, विदेश सचिव (भारत सरकार) मीना मल्होत्रा, सचिव संस्कृत उत्तराखंड दीपक गैरोला, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय दिनेश चंद्र शास्त्री, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल, सहित विभिन्न देशों के विद्वान, वक्ता, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संसद को चुनावी हार-जीत की निराशा, अहंकार का अखाड़ा न बनने दें : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि उन्हें चुनावी हार-जीत के परिणामों से बाहर निकलकर इसकी निराशा या अहंकार का अखाड़ा संसद को नहीं बनाना चाहिए और जनता की आकांक्षाओं तथा लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुरूप संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संसद का महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चलेगा और सभी सदस्य देश की प्रगति के लिए तथा चुने हुये प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सदन को चलाने में अपना सहयोग करेंगे।

श्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इसे और आगे बढ़ने की ऊर्जा देने का काम शीतकालीन सत्र करेगा, उन्हें ऐसा उन्हें विश्वास है। चुनावी हार जीत लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र की मजबूती का दायित्व हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि निजी एजेंडे के लिए संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। नये सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और सदन के कार्यवाही बाधित कर उनके अवसर को छीना नहीं जाना चाहिए। इस नए सांसदों को अभिव्यक्ति का अवसर दीजिए अपनी निराशा और अपनी पराजय में सांसदों को बली मत बनने दिजिये।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत होता रहता है और ऐसा समय-समय पर कुछ न कुछ देखने को मिलता है। उन्होंने बिहार विधानसभा में हए भारी मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान जिस रिकॉर्ड के साथ हुआ वह लोकतंत्र में नया विश्वास पैदा करता है। बड़ी बात यह है कि चुनाव में

माता बहने ज्यादा हिस्सा ले रही हैं। मोदी ने कहा कि इस सत्र में यह पता चलना है कि संसद और संसद सदस्य देश के लिए क्या सोचते हैं। वे देश के लिए क्या करने वाले हैं और क्या कर रहे हैं। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए और मजबूत मुद्दे उठाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। उसे पराजय की निराशा से बाहर आकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करना है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि एकाध दल तो निराशा से बाहर ही नहीं आ पा रहे हैं, उनके बयानों से यही लगता है। पराजय से निराश होकर संसद को उसका अखाड़ा नहीं बनाना है और नहीं विजय के अहंकार में डूब कर अपने दायित्व को भूलना है। उन्होंने कहा कि देश के लिए सबको मिलकर बेहतर काम करना चाहिए और सदन में इसका परिचय देना चाहिए। संसद में जब हंगामा होता है तो सदस्यों को अपनी बात कहने का मौका नहीं मिलता है। नये सांसदों को मौका देना चाहिए और उनके अनुभव और नयी पीढ़ी का जो जोश है उसका लाभ देश को मिलना चाहिए। संसद में ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। नारे लगाने हैं तो पूरा देश खाली पड़ा है वहां नारे लगाए लेकिन संसद में नारे नहीं नीति पर बल देना चाहिए। नकारात्मकता भले ही किसी के काम कभी आ जाय है लेकिन देश के लिए सकारात्मक रूप से सोचना होगा और मर्यादा में रहकर काम करना होगा।

उत्तराखंड कांग्रेस के नए नेतृत्व की दिल्ली में हाई-प्रोफाइल बैठक, 2027 विधानसभा चुनाव पर बना रणनीतिक रोडमैप

पथ प्रवाह, दिल्ली। उत्तराखंड कांग्रेस के नवगठित शीर्ष नेतृत्व की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। यह बैठक कई मायनों में ऐतिहासिक कही जा रही है, क्योंकि पहली बार उत्तराखंड कांग्रेस की रणनीतिक चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की अनुपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्य नेतृत्व से उत्तराखंड की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों, जनता के मुद्दों तथा पार्टी की सांगठनिक स्थिति पर विस्तृत फीडबैक लिया। बताया जा रहा है कि प्रदेश संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए कई अहम सुझाव सामने आए। उत्तराखंड की प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, एआईसीसी सदस्य करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने इस बैठक में भाग लिया। सभी नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की

राजनीतिक नब्ज और आगामी चुनावी रणनीति से जुड़े बिंदुओं को शीर्ष नेतृत्व के सामने रखा।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी हाईकमान ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनाने की संभावनाओं का प्रारंभिक मूल्यांकन भी किया। संगठन विस्तार, नेतृत्व संतुलन, युवा और महिला वर्ग की भागीदारी बढ़ाने तथा भाजपा सरकार की नीतियों के विरुद्ध मजबूत जनआंदोलन खड़ा करने जैसे मुद्दे बैठक के केंद्र में रहे। कांग्रेस का नया राज्य नेतृत्व इस बैठक को आगामी चुनावी तैयारी का निर्णायक चरण मान रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में संगठनात्मक फेरबदल, जिला-स्तर पर सक्रियता और बूथ प्रबंधन की नई रणनीति लागू की जा सकती है।

बैठक ने यह संदेश भी स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रीय नेतृत्व उत्तराखंड को आने वाले चुनावों में 'मजबूत व जीत योग्य राज्य' के रूप में देख रहा है और इसके लिए शीर्ष स्तर पर फोकस बढ़ा दिया गया है।

ट्रेन की चपेट में आकर हाथी के बच्चे की मौत, हाथियों के झुंड ने घेरा ट्रैक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार और रायवाला के बीच सोमवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से छह साल के हाथी के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर हाथियों का झुंड इकट्ठा हो गया और उन्होंने रेलवे ट्रैक के पास ही अपना डेरा जमा लिया। इस दृश्य को देख ट्रेन में सवार लोगों के भी होश उड़ गए।

वन विभाग के मुताबिक हादसा राजाजी टाइगर रिजर्व की हरिद्वार रेंज की खडखड़ी बीट में हुआ है। यहां हाथियों का एक झुंड सुबह करीब साढे छह बजे रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी झुंड में शामिल छह साल का नर बच्चा हावड़ा दून एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के कुछ ही देर बाद हाथियों का बड़ा झुंड मौके पर पहुंच गया और करीब दो घंटे तक रेलवे ट्रैक के आसपास ही डटा रहा। ट्रेन हादसे के बाद मौके पर ही रोक दी गई, और यात्रियों से किसी भी सूरत में डिब्बे से बाहर न आने की हिदायत दी गई।

बताया जा रहा है कि शिशु हाथी जिस झुंड से अलग हुआ था, वह पांच हाथियों का परिवार था, जो अक्सर इस क्षेत्र में घूमता रहता है। बताया जा रहा है कि ट्रेन की स्पीड तय सीमा से ज्यादा थी, जिसके चलते हाथी का बच्चा ट्रेन के नीचे आकर घिसटता चला गया। फिलहाल वन विभाग की ओर से ट्रेन के लोकोपायलट और सहायक लोकोपायलट के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। हरिद्वार रेंजर का कहना है कि शुरुआती जांच में हादसे की वजह धुंध का होना भी एक कारण पाया गया है। हादसे की जांच की जा रही है। हाथियों के झुंड को किसी तरह मौके से हटाकर बच्चे का शव कब्जे में लिया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को किसान पुत्र की उपाधि से नवाजा, हेलिपैड पर किसानों का जनसैलाब

पथ प्रवाह, हरिद्वार

गन्ने का समर्थन मूल्य 405 प्रति क्विंटल किए जाने के बाद गुरुकुल कांगड़ी हेलिपैड पर किसानों का जबरदस्त जनसैलाब उमड़ आया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का फूल-मालाओं, पुष्प वर्षा और गन्ना भेंट कर भव्य स्वागत किया। किसानों ने सम्मान स्वरूप उन्हें 'किसान पुत्र' की उपाधि से नवाज़ा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस स्नेह के लिए सभी किसानों और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी फसलों का सही मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि गन्ने के मूल्य में 30 रूपये की ऐतिहासिक वृद्धि किसानों की मांगों और भावनाओं को ध्यान में रखकर की गई है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों द्वारा किसानों को समय पर भुगतान प्राथमिकता है और जहाँ भी कोई कमी मिलेगी, उसे तत्काल दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों–किसान सम्मान निधि, समर्थन मूल्य निर्धारण और समयबद्ध भुगतान–को किसानों की आय बढ़ाने का आधार बताया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लक्सर क्षेत्र के गंगदासपुर की सड़क को ऊँचा करने की घोषणा की और इकबालपुर व सितारगंज में बंद चीनी मिलों की समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कदम उठाने की बात कही। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी किसानों से मिले प्रेम से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कार में बैठने से पहले खड़े होकर किसानों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों के हित में ऐतिहासिक फैसले लिए जा रहे हैं और गन्ने का बढ़ा हुआ भाव इसका बड़ा उदाहरण है। कार्यक्रम में विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, मेयर रूड़की अनीता अग्रवाल, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और किसान मौजूद रहे। विदित हो कि गुरुकुल हेलिपैड पर 'किसान पुत्र' की उपाधि मिलते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बेहद प्रफुल्लित दिखाई दिए, वहीं किसानों में भी जबरदस्त जोश और आत्मविश्वास का माहौल देखने को मिला।

गन्ना लेकर पहुंचे किसान

गन्ने का मूल्य वृद्धि की खुशी में किसान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेंट करने के लिए गन्ना लेकर पहुंचे। गन्ने को मुख्यमंत्री को सौंपा गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में आयी 80 समस्याएं, जिलाधिकारी ने 35 का मौके पर कराया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 80 शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई। इनमें से 35 समस्याओं का?? जिलाधिकारी ने मौके पर निराकरण कराया, शेष समस्याओं को निस्तारण के ?लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में, राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, अतिक्रमण आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायतकर्ता विकास कुमार निवासी ग्राम हबीबपुर कुड़ी लक्सर ने अंकुल नागर निवासी ग्राम रायसी द्वारा की गई मारपीट, लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों एवं आपराधिक गतिविधियों संबंधित शिकायत दर्ज करवाई। विकास कुमार ने ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग एवं जांच को प्रभावित करने हेतु दिए जा रहे कथनों के संबंध में शिकायत दर्ज करवाई।

सचल दल नहीं दे रहा बढ़ा किराया

सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम खुब्बनपुर लतीफपुर परगना व तहसील भगवानपुर ने अपना एक भवन जिसका क्षेत्रफल / कारपेट एरिया 144 वर्ग मीटर है। सचल दल इकाई भगवानपुर को किराये पर दिया हुआ है जिसका बढ़ाया हुआ किराया नहीं मिलने के सबन्ध में शिकायत की। कामिनी रानी निवासी रामलीला ग्राउंड ज्वालापुर ने राजस्व विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होने की शिकायत दर्ज करवाई। आदेश सैनी सम्राट प्रदेश महासचिव ने जिले में ओवरलोडिंग अवैध वाहनों एवं माँझे से हो रहे हादसों के संबंध में शिकायत दर्ज करवाई।

खरीदी गई जमीन पर दूसरा कर रहा दावेदारी

बालकिशन शर्मा निवासी ग्राम अत्मलपुर बोंगला बहादराबाद ने अपने पिता द्वारा गाँव में ही किसी अन्य व्यक्ति से जमीन खरीदी गयी वर्तमान में खाता धारक द्वारा उक्त भूमि पर दावेदारी करने सबंधित शिकायत दर्ज की। बबली सैनी निवासी ग्राम व पोस्ट धनौरी परगना व तहसील रूडकी ने अपनी भूमि गाटा संख्या 61/4 रकबा 0.071 है0 स्थित ग्राम धनौरी परगना व तहसील रूडकी जिला में प्रार्थीनी के कब्जे व दाखले में किसी भी प्रकार से विपक्षीगण द्वारा हस्तक्षेप करने से रोके जाने हेतु शिकायत दर्ज करवाई।

अपराधिक गतिविधियों को रोकने की मांग

गोपी चन्द्र निवासी रायसी गाँव ने रायसी गाँव के अंकुल नागर की आपराधिक गतिविधियों, अवैध वसूली तथा जान-माल की धमकियों के संबंध में कठोर कार्यवाही किए जाने हेतु शिकायत पत्र देकर शिकायत दर्ज करवाई। भूपेन्द्र कुमार ने वार्ड नंबर 7 के अंतर्गत गली नंबर 7 और 8 के बीच सरकारी नाले पर अवैध स्लिप डालने सरकारी जमीन जो की नाला की थी उसे पर अवैध कब्जा भी कर लिया है के सम्बन्ध में शिकायत दर्ज करवाई। महावीर प्रसाद निवासी गमदास कालोनी हरिद्वार ने अपने पुत्र के इलाज हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु प्रार्थना पत्र दिया।

समस्याओं का कराये समाधान

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की डीएम ने की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जिन समस्याओं का निराकरण 36 दिनों के भीतर नहीं किया गया है,वह विभाग शिकायतों का निस्तारण शीघ्रता से शीघ्र करे। इसमें किसी भी तरह से कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए है कि संबंधित शिकायतकर्ता से शिकायत के संबंध में उनसे दूरभाष से भी वार्ता करते हुए उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनाश्चित करे।

समीक्षा के दौरान पाया कि रु1 पर विभिन्न विभागों से संबंधित 438 शिकायतें तथा रु2 पर 85 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है तथा सभी संबंधित अधिकारी लंबित शिकायतों का निस्तारण तत्परता से करना सुनाश्चित करे।

ये अधिकारी रहे बैठक में मौजूद

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेश सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भण्डारी, सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे। संस्कृत के उत्थान और विकास के लिए गठित होगा उच्च स्तरीय आयोग

विधायक आदेश चौहान ने 2.73 करोड़ के कार्य कराए स्वीकृत, सड़क होगी सुंदर

पथ प्रवाह, हरिद्वार

रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में राज्य योजना के अंतर्गत स्वीकृत 2.73 करोड़ रुपये की राशि से सड़क निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण विकास कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहे हैं। शासन से मिली स्वीकृति के बाद जारी हुए जीओ के आधार पर इन परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने जानकारी देते हुए कहा कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू किए जाएंगे। विधायक आदेश चौहान के प्रस्ताव पर स्वीकृत इन कार्यों में ग्राम बहादराबाद में 85.93 लाख रुपये, ग्राम सभा सलेमपुर महदूद में 92.51 लाख रुपये तथा शिवालिकनगर नगरपालिका के नवोदयनगर में 94.26 लाख रुपये की लागत से आंतरिक सड़कों का इंटरलॉकिंग टाइल्स के माध्यम से निर्माण किया जाएगा। सभी तीनों कार्यों की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दी गई है। विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया प्रगति पर है और उसके पूर्ण होते ही निर्माण कार्यों को प्रारंभ किया जाएगा। विधायक आदेश चौहान ने विकास कार्यों की स्वीकृति पर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मुख्यमंत्री जी की विकासपरक सोच के कारण रानीपुर विधानसभा में अभूतपूर्व कार्य धरातल पर उतर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकताओं में क्षेत्र का सर्वांगीण विकास शामिल है और इसी के परिणामस्वरूप विभिन्न योजनाएँ तेज गति से आगे बढ़ रही हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में रानीपुर विधानसभा में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। विधायक आदेश चौहान ने आश्वस्त किया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरे किए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें और स्थानीय विकास को नई रफ्तार मिले।

अस्थि विसर्जन करने आए पंजाब के यात्रियों के साथ मारपीट

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पंजाब के पटियाला से अस्थि विसर्जन करने हरिद्वार पहुंचे यात्रियों के साथ रोडीबेल वाला में कुछ दुकानदारों ने मारपीट कर घायल कर दिया। इस घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। किसी तरह बीच बचाव कर यात्रियों को हमलावर दुकानदारों से बचाया गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो गए।

घायल यात्रियों को इलाज के लिए मेला अस्पताल ले जाया गया, जहां दो तीन यात्रियों को गंभीर चोटें बतायी गई। पीड़ित पटियाला निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ मां की अस्थि विसर्जन करने हरिद्वार आया था। अस्थि विसर्जन के बाद सभी लोग रोडी बेलवाला में हाथी पुल के पास पहुंचे। यहां उनके कुछ साथी खाना खाने लगे और एक साथी रेहड़ी लगाकर टोपी बेच रहे दुकानदार से टोपी खरीदने लगा। आरोप है कि दुकानदार ने यात्रियों के साथ अपशब्दों का प्रयोग किया। यात्रियों ने इसका विरोध किया तो उस दुकानदार ने अपने साथियों को बुला लिया और लाठी डंडों से यात्रियों पर हमला कर दिया। पीड़ितों का आरोप है कि उन्होंने पुलिस को सूचना दी लेकिन काफी देर तक कोई मौके पर नहीं आया। कंट्रोल रूम का नंबर भी नहीं उठा। इस घटना के बाद दहशतजदा इन यात्रियों का कहना है कि आज के बाद हम हरिद्वार नहीं आएंगे। इस घटना की जानकारी मिलने पर प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष डा.विशाल गर्ग ने रोड़ी बेलवाला में यात्रियों के साथ मारपीट और अभद्रता पर गहरी नाराजगी जताई है। कहा कि बाहर से आने वाले यात्रियों की सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अंतिम संस्कार करने आए यात्रीयों के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। वहीं दूसरी ओर पुलिस यात्रियों की शिकायत के आधार पर आरोपी दुकानदार की तलाश में जुटी है।

कलयुगी बेटा ही निकला पिता का हत्यारा, दोस्तों को दी थी हत्या की सुपारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी की हत्या से पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। हत्यारा कोई और नहीं सगा बेटा निकला। उसने अपने दोस्तों को हत्या की सुपारी देकर घटना को अंजाम दिलाया। बेटे की नजर पिता की करोड़ों की संपत्ति पर थी। पिता ने संपत्ति बेटे के नाम करने से इंकार किया तो आरोपी ने 30 लाख और एक स्कार्पियों की सुपारी देकर पिता की हत्या करायी। पुलिस ने बेटे सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

बतादें होशियार सिंह निवासी जमालपुर कला ने कंट्रोल रूम पर सूचना दी कि मैं अपने पिता के साथ रोशनाबाद में शादी में जा रहा था तभी एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा जटवाडा पुल ज्वालापुर से गाडी में लिफ्ट मांगी जिसके द्वारा मेरे पिता की गोली मार कर हत्या कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते एसएसपी हरिद्वार द्वारा पुलिस अधीक्षक नगर व एएसपी ज्वालापुर के नेतृत्व में अलग अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया।

मृतक के बेटे से पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा वादी (मृतक के बेटे) से पूछताछ कि तो उसके द्वारा बताया की वह दोस्त को शादी में जा रहा था। जब दोस्त के बारे में पूछताछ की

गई तो वह सही से जवाब नहीं दे पाया। जिससे शक की सुई बेटे पर ही घूमने लगी। कई घंटों चली पूछताछ में बेटा बार-बार अपने बयान बदलता रहा व सही जानकारी नहीं दे पाया। थक हार बेटे ने अपना जुर्म क़बूल कर बताया कि उसने ही दोस्तों के साथ मिलकर पिता की हत्या की है।

क्या थी हत्या की वजह

मृतक रिटायर्ड एयरफोर्स ऑफ़िसर था जिसके पास करोड़ों की संपत्ति थी। मृतक का बेटे की गलत संगती व गलत आदतों के कारण बेटे के साथ सम्बन्ध ठीक नही थे व मृतक के पुत्र द्वारा अपने पिता को सम्पति अपने नाम पर करने के लिए भी लगातार दबाव बनाया जा रहा था किन्तु मृतक द्वारा पुत्र के नाम सम्पति करने से मना कर दिया था व अपनी सम्पति से भी बेदखल करने के लिए कहा था। जिससे नाराज बेटे यशपाल द्वारा अपने दोस्तो ललित मोहन उर्फ राजन व शेखर निवासीगण सीतापुर ज्वालापुर हरिद्वार के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या करने की योजना बनाई व दोस्तों को हत्या के बाद 30 लाख रूपये व 1 स्कोर्पियो देना तय किया था।

कैसे दिया घटना को अंजाम

तीनो अभियुक्तगण यशपाल, ललित मोहन उर्फ राजन व शेखर द्वारा तय किया कि मृतक का पुत्र यशपाल मृतक भगवान सिंह को शादी में रोशनाबाद जाने के बहाने से रात्रि में ज्वालापुर -बहादराबाद नहर पटरी पर लेकर आयेगा व राजन व शेखर जटवाला पुल से आगे बैराज के पास मिलेगें व यशपाल, राजन को अपना दोस्त बताकर शादी में जाने के बहाने कार में बैठायेगा व इसी दौरान भगवान सिंह की गोली मारकर हत्या कर देगें। तीनों आरोपियों ने प्लान के मुताबिक घटना को अंजाम दिया।

पिता को ऐसे फंसाया अपने जाल में

योजना अनुसार तीनों अभियुक्तो द्वारा 29.11.2025 की दोपहर में नहर पटरी ज्वालापुर बहादराबाद पर रेकी की। उसके बाद रात में यशपाल ने अपने पिता भगवान सिंह को रोशनाबाद में दोस्त की झूठी शादी का बहाना बनाकर रात करीब 8.00 बजे कार से अपने साथ लेकर जटवाला पुल से आगे डैम पर पहुंचे जहां पर पूर्व से ही ललित मोहन उर्फ राजन व शेखर इंतजार कर रहे थे। यशपाल ने यहां पिता से गाड़ी रुकवाई और खुद ड्राइवर सीट पर आकर बैठ गया। इसी दौरान राजन गाडी के पास आया जिसे यशपाल ने अपना दोस्त बताकर गाडी में बैठा लिया। इसी बीच ललित मोहन उर्फ राजन द्वारा अपने पास लिये तमंचे से भगवान सिंह की कनपटी पर 2 राउण्ड फायर कर उनको मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद वह गाडी से उतरकर फरार हो गया, घटना के कुछ समय बाद यशपाल ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी

पुलिस टीम द्वारा मृतक के पुत्र यशपाल व उसके दोनों साथियों ललितमोहन उर्फ राजन व शेखर को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ललित मोहन उर्फ राजन की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा 315 बोर मय खोखा कारतूस व घटना में प्रयुक्त कपडे जाकेट व जूते सीतापुर ज्वालापुर स्थित एक किराये के कमरे से बरामद किये गये है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने किया 21वीं प्रादेशिक पुलिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

पहले दिन की प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

चार दिवसीय 21वीं प्रादेशिक जनपदीय/वाहिनी पुलिस वॉलीबॉल/ सेपक टाकरा प्रतियोगिता वर्ष-2025 का सोमवार को हर्षोल्लास के साथ किया गया। पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार में बैंड की मधुर धुन के बीच मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल व अन्य अधिकारी उपस्थिति रहे।

जनपद/वाहिनी की टीमों द्वारा मार्च पास कर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। उसके बाद मेजबान टीम के कैप्टेन द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि द्वारा खेल का जीवन में विशेष महत्व बताते हुए सभी खिलाड़ियों को सच्ची खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। हरिद्वार पुलिस की मेजबानी में तीन दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में जनपद/वाहिनी की बॉलीबॉल की 16 टीमों व सेपक टाकरा की 10 टीमों के खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। पहले दिन के मैचों में बॉलीवाल में प्रथम मैच - जनपद देहरादून

ड्रूस जनपद उत्तरकाशी के मध्य खेला गया जिसमें जनपद देहरादून विजेता रही। द्वितीय मैच जनपद हरिद्वार ड्रूस जनपद पौडी गढवाल के मध्य खेला गया जिसमें जनपद हरिद्वार विजेता रही। तृतीय मैच - जनपद टिहरी ड्रूस जनपद पिथौरागढ के मध्य खेला गया जिसमें जनपद टिहरी विजेता रही। चतुर्थ मैच - 40वी वाहिनी पीएसी ड्रूस जनपद नैनीताल के मध्य खेला गया जिसमें 40वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। पंचम मैच- आईआरबी प्रथम ड्रूस जनपद उधम सिंह नगर के मध्य खेला गया जिसमें आईआरबी प्रथम विजेता रही। षष्टम मैच - आईआरबी द्वितीय ड्रूस 31 वी वाहिनी पीएसी के मध्य खेला गया जिसमें 31वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। सप्तम मैच - जनपद चम्पावत ड्रूस जनपद रूद्रप्रयाग के मध्य खेला गया जिसमें जनपद चम्पावत विजेता रही। सेपक टाकरा (रेगू) में प्रथम मैच - 46वी वाहिनी पीएसी ड्रूस आईआरबी प्रथम के मध्य खेला गया जिसमें 46 वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। द्वितीय मैच- 31 वी वाहिनी पीएसी ड्रूस जनपद पिथौरागढ के मध्य खेला गया जिसमें 31 वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। तृतीय मैच - जनपद हरिद्वार ड्रूस आईआरबी द्वितीय के मध्य खेला गया जिसमें आईआरबी द्वितीय विजेता रही। चतुर्थ मैच - 40वी वाहिनी पीएसी ड्रूस जनपद उधम सिंह नगर के मध्य खेला गया जिसमें उधम सिंह नगर विजेता रही। सेपक टाकरा (क्वार्ड) में प्रथम मैच -जनपद उधम सिंह नगर ड्रूस जनपद पिथौरागढ के मध्य खेला गया, जिसमें जनपद उधम सिंह नगर विजेता रही। द्वितीय मैच - 46 वी वाहिनी पीएसी ड्रूस आईआरबी प्रथम के मध्य खेला गया, जिसमें 46 वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। तृतीय मैंच - जनपद हरिद्वार ड्रूस 31 वी वाहिनी पीएसी के मध्य खेला गया, जिसमें 31वी वाहिनी पीएसी विजेता रही। चतुर्थ मैच - आईआरबी द्वितीय ड्रूस 40 वी वाहिनी पीएसी के मध्य खेला गया. जिसमें आईआरबी द्वितीय विजेता रही।

शीत लहर शुरू होते ही जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने दिये अलाव जलाने के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कार्यालय सभागार में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिए हैं कि उनके अधीन जो भी कार्य किये जा रहे हैं, उन्हें समय से पूरा किया जाए। जिला योजना एवं राज्य सेक्टर केंद्र पोषित जो भी निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उन कार्यों को गुणवत्ता के साथ तत्परता से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनपद में शीतलहर के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के अंतर्गत गरीब एवं असहाय लोगों के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था के साथ-साथ रैन बसेरों में सभी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यालयों में स्वच्छता बनाएं रखने के लिए कार्यालय एवं आसपास क्षेत्रों की साफ सफाई व्यवस्था ठीक

ढंग से करायें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। कहा कि जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सभी लोग अपना पूर्ण सहयोग दें।

ओवर लोडिंग की करें निगरानी

जिलाधिकारी ने परिवहन, पुलिस एवं उपजिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्तमान में गन्ने की ट्रोलियाँ ओवरलोडिंग हो रहे हैं इस पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए कि कहीं कोई दुर्घटना घटित न होने पाए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन कार्यालय में वाहन निष्प्रोज्य हो गए है उन वाहनों को 31 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से नीलामी करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त दीपेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओम जी गुप्ता, लोनिवि दीपक कुमार, अपर परियोजना निदेशक नलिनी घिल्डियाल, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी नलिनी ध्यानी आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

मानवता को शर्मसार करती कलयुगी बेटे की करतूत

इंसान लालच के वशीभूत होकर अपने रिश्तों की मर्यादा को भूल रहा है। जिसके कारण इंसान पारिवारिक पतन, लालच और नैतिक अवनति की राह की ओर निकल रहा है। हरिद्वार में जन्म देने वाले पिता की बेटे ने हत्या कर दी।

हरिद्वार में रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी की हत्या के मामले ने समाज को भीतर तक झकझोर दिया है। करोड़ों की संपत्ति के लालच में एक बेटे द्वारा अपने ही पिता की हत्या की साजिश रचना न केवल अपराध है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन का भयावह उदाहरण भी है। जिसने जीवन दिया, संस्कार दिए, वही पिता लालच और गलत संगत के कारण बेटे के निशाने पर आ गए।

यह घटना बताती है कि परिवारों के भीतर बढ़ती दूरी, नैतिक मूल्यों का क्षरण और भौतिकवाद की अंधी दौड़ किस कदर विनाशकारी रूप ले चुकी है। जिस पिता ने अपने बेटे को सही राह दिखाने के लिए कड़े निर्णय लिए, वही निर्णय उस बेटे को इतने नीचे गिरा गए कि उसने दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की सुपारी तक दे दी। यह कृत्य केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना पर लगा एक काला धब्बा है।

हरिद्वार पुलिस ने एसएसपी की नेतृत्व में इस जघन्य हत्या का खुलासा कर अपनी तत्परता और दक्षता को साबित किया है। परंतु असली सवाल यह है कि समाज इस नैतिक गिरावट को रोकने के लिए क्या कर रहा है?

परिवारों में संवाद की कमी, युवा पीढ़ी का गलत संगति में फंसना, और संपत्ति को लेकर बढ़ते विवाद—ये सभी मिलकर ऐसे कृत्यों को जन्म दे रहे हैं। आवश्यकता है कि समाज पुनः मूल्यों की ओर लौटे, परिवार आपसी संवाद बढ़ाएं और बच्चों में जिम्मेदारी व मानवीय संवेदना का संस्कार दोबारा जगाया जाए।

इस घटना से सीख लेकर समाज को यह समझना होगा कि लालच केवल विनाश की ओर ले जाता है – और सबसे बड़ा धन परिवार का स्नेह, विश्वास और मूल्य होते हैं, न कि करोड़ों की प्रॉपर्टी।

मानवीय और तकनीकी हस्तक्षेप: बेकाबू मौसम

सनत जैन

वर्ष 2025 में जितनी प्राकृतिक आपदाएं भारत सहित दुनिया के देशों में आई हैं, उसने आम जन जीवन को भयभीत कर दिया है। इतिहास में एक साथ कभी भी इतनी बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाएं नहीं देखी गई हैं। किसी भी देश के किसी भी हिस्से में कभी भी भीषण चक्रवात, बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, असामान्य गर्मी, असामान्य ठंड, अनायास बर्फबारी जैसी घटनाएं नहीं हुईं। लेकिन अब हर महीने विश्व के किसी न किसी कोने में इस तरह की घटनाएं सुनने को मिलती हैं। मौसम में यह बदलाव क्यों आ रहा है इसको लेकर पर्यावरण विद् चिंतित हो गये हैं। जिस तरह से सत्ता में बैठे हुए लोग प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके दुष्परिणाम बडी संख्या में देखने को मिल रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ऊपरी हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर असामान्य गति से बहने लगी हैं। तीन महीने पहले हुई इस घटना ने मौसम विज्ञानियों की चिंता को बढ़ा दिया है। मौसम परिवर्तन का यह व्यवहार पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अब हालात यहां तक पहुंच चुके हैं, मौसम जिस तरीके से अपने आप में बदलाव कर रहा है, उसने मौसम के जो शक्तिशाली कारण होते थे उनमें भी बदलाव करना शुरू कर दिया है। दुनिया भर में तेजी के साथ चक्रवात बन रहे हैं। बारिश और तापमान में अचानक वृद्धि देखने को मिल रही है। बे-मौसम बारिश हो रही है। बे मौसम तूफान आ रहे हैं। इस परिवर्तन के कारण दक्षिण पूर्व एशिया के वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलिपींस विनाशकारी तूफान और बाढ़ से जूझ रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। हिंद महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर का तापमान अभी तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वायुमंडल की वायु धारा में परिवर्तन मौसम की स्थितियों मे लगातार बदलाव आ रहे हैं। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से मौसम अप्रत्याशित और अनियंत्रित हो गया है, उसके बाद दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक तरह से कोहराम देखने को मिल रहा है। वैश्विक जलवायु तंत्र एक ऐसी विषम स्थिति पर पहुंच चुकी है, जहां से जल्द मौसम को नियंत्रित कर पाना किसी के लिए संभव नहीं होगा। भारत में पिछले कुछ वर्षों से प्राकृतिक आपदाओं की घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। बे मौसम बारिश और तूफान आने के साथ ही दुनिया के देशों में ज्वालामुखी विस्फोट देखने को मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में भूकंप का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी की सतह से 20 से 30 किलोमीटर ऊपर बहने वाली हवाएं जो हर 28 से 30 महीने के बीच में अपनी धारा बदलती थी, अब इसमें जल्दी-जल्दी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मौसम में इन धाराओं में जो परिवर्तन जनवरी और फरवरी माह में देखने को मिलता था, इस साल वह नवंबर माह में ही देखने को मिल रहा है। जिसके कारण भारत सहित वैश्विक स्तर पर, जो मौसम परिवर्तन हो रहा है वह इतना शक्तिशाली है, कि हर जगह अब विनाश देखने को मिल रहा है। वायुमंडल की हवाओं में जिस तरह की टूटन देखने को मिल रही है, उसके कारण तेज गर्म हवाएं सूखा, बादल फटने और हिमस्खलन जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसमें भारी जन-धन की हानि हो रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है, अगले एक महीने तक इसका प्रभाव और भी बढ़ेगा। मौसम की यह अस्थिरता 2026 में भी जारी रह सकती है।

इस भारतीय मौसम विभाग ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, इस साल भारत में सर्दियों का मौसम बड़ा अनियमित रहेगा। जलवायु आपदा की कई घटनाएं भारत में देखने को मिलेंगी। वैज्ञानिक इसे कंपाउंड एक्सट्रीम वेदर नाम दे रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के कारण संकटो की अभी शुरुआत है आगे और भी भयावह स्वरूप देखने को मिलेंगे। पिछले तीन दशकों से जिस तरह से अंधाधुंध तरीके से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, भारत में भी विकास के नाम पर जंगल, पेड़ इत्यादि नष्ट किये जा रहे हैं, पहाड़ों को खोदा जा रहा है, प्राकृतिक संसाधनो के लिए जमीन के अंदर सेकडों फुट गहरी खुदाई की जा रही है, जिस तरह से हथियारों का परीक्षण किया जा रहा है, उसने वैश्विक पर्यावरण को पूरी तरह से तहस-नहस करके रख दिया है। पर्यावरण में बदलाव के कारण मौसम को लेकर जो घटनाएं हो रही हैं, उन्हें वैज्ञानिक शुरुआती बता रहे हैं। समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में भारत सहित विश्व की एक बड़ी आबादी मौसम के बेकाबू होने के कारण भारी संकट में पडने जा रही है। विश्व के बड़े देश अपने आपको पर्यावरण की जिम्मेदारी से दूर करते चले जा रहे हैं। अमेरिका जैसे देश सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारियों का पालन नहीं करते हैं। इस समय सत्ता पर जो लोग बैठे हुए हैं। ज्यादा से ज्यादा कमाई और ताकत बढ़ाने की होड़ में लगे हुए हैं। सत्ता के मद और अहंकार में इस कदर डूबे हुए हैं। वह अपने आपको भगवान समझने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, कि यदि पर्यावरण से छेड़छाड़ बंद नहीं की गई, तो आने वाले समय में इसके भारी दुष्परिणाम सारी दुनिया को झेलने पड़ेंगे। वैश्विक मौसम को किसी देश की भौगोलिक सीमा से नहीं बांधा जा सकता है।

प्रदूषण की कैद में कैद होती पृथ्वी

श्वेता गोयल

प्रतिवर्ष 2 दिसम्बर को भोपाल गैस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की याद में भारत में 'राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस' मनाया जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक उस गैस त्रासदी में जहरीली गैस के रिसाव के कारण पांच लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो गई थी, हालांकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मौतों की संख्या 3787 घोषित की गई थी। उस गैस त्रासदी को इतने वर्षों बाद भी पूरी दुनिया में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना जाता है। 1984 की उस गैस त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को याद करने और प्रदूषण नियंत्रण कृत्यों के महत्व से हर व्यक्ति को अवगत कराने के लिए 2 दिसबर का दिन राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के रूप में चिह्नित किया गया। इस दिन का उद्देश्य प्रदूषण को रोकने में मदद करने वाले कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करना, औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन तथा नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाना और औद्योगिक प्रक्रियाओं तथा मानवीय लापरवाही से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना है। दरअसल आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम पर्यावरण का महत्व भूलते जा रहे हैं। इन दिनों देश के विभिन्न हिस्सों में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर जो विकराल स्थिति बरकरार है, ऐसे में इस दिवस का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

देश में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए कानून में कई धाराएं समाहित हैं, जिनमें 1974 का जल (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1977 का जल उपकर अधिनियम, 1981 का वायु अधिनियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1989 का खतरनाक रासायनिक निर्माण, भंडारण और आयात का नियम, 1989 का खतरनाक अपशिष्ट नियम, 1989 का खतरनाक माइक्रो जीव अनुवांशिक इंजीनियर जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, भंडारण, आयात, निर्यात और भंडारण नियम, 1996 का रासायनिक दुर्घटनाओं (इमरजेंसी, योजना, तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम, 1998 का जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम, 1999 का पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक निर्माण और उपयोग नियम, 2000 का ओजोन क्षयकारी पदार्थ नियम, 2000 का ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 का नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियम, 2001 बैट्री (मैनेजमेंट और संचालन) नियम, 2006 महाराष्ट्र जैव कचरा नियंत्रण अध्यादेश, 2006 का पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना नियम इत्यादि प्रमुख हैं। इतने सारे अधिनियमों के बावजूद यह विड़म्बना ही है कि देश में प्रदूषण का स्तर निरन्तर बढ़ रहा है और वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, फरीदाबाद, वाराणसी, गया, पटना, जयपुर, पटियाला इत्यादि भारत के कई शहरों की गिनती अक्सर विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में होती रही है।

बढ़ते प्रदूषण ने जलवायु परिवर्तन के खतरे को भयावह रूप से तीव्र कर दिया है। हिंदी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार, औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाकर पृथ्वी के तापमान को असंतुलित कर दिया है। 'लांसेट' जर्नल की रिपोर्ट इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 30 देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के चलते कृषि उत्पादन में गिरावट का चरण शुरू हो चुका है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका पर भी प्रत्यक्ष खतरा बन गया है। यही नहीं, यूरोप और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र गर्मी के बढ़ते जोखिम की जद में हैं, जहां 65 वर्ष से अधिक आयु वाले लगभग 42 प्रतिशत लोग भीषण तापमान से होने वाले दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2000 से 2017 के दौरान दुनिया के 15 करोड़ से अधिक लोग भीषण गर्मी की चपेट में आए जबकि वर्ष 2017 में यह संख्या 2016 की तुलना में 1.8 करोड़ अधिक थी। उसके बाद से यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। यह स्पष्ट करता है कि यदि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

प्रदूषण आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए नासूर बनता जा रहा है, जिसकी वजह से बढ़ती बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ कई गुना बढ़ता जा रहा है। हवा में मौजूद प्रदूषण के कण न केवल दिल, दिमाग और फेफड़ों पर गंभीर असर डालते हैं बल्कि कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का भी कारण बन रहे हैं। प्रतिवर्ष करीब सात मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाते हैं। दुनियाभर में प्रदूषण को लेकर इस समय स्थिति इतनी बदतर है कि प्रत्येक दस में से नौ लोगों को शुद्ध हवा नसीब नहीं हो पाती और यदि समय रहते इन परिस्थितियों पर नियंत्रण करने में सफलता नहीं मिली तो यह तय है कि हमारे आने वाली पीढ़ियां जहरीली हवा में ही सांस लेकर जीवन के दिन काटने को विवश होंगी। प्रदूषण से पैदा होती विकराल वैश्विक स्थिति के बारे में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कार्यरत शिकागो के प्रो. माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि प्रदूषण किसी भी व्यक्ति के लिए ऐसी समस्या है, जिससे स्वयं को बचाने के लिए वह निजी स्तर पर कुछ विशेष नहीं कर सकता बल्कि यह एक सामूहिक प्रयास है।

प्रदूषण को लेकर विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक विश्व की करीब 75 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है, जहां वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। प्रदूषण से कम होती औसत आयु और लगातार बढ़ती शारीरिक व्याधियों को लेकर अब लगभग हर वर्ष चिंताजनक रिपोर्टें आ रही हैं। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (एक्यूएलआई) में तो चौंका देने वाला यह तथ्य भी सामने आया कि भारत के अलावा चीन में भी औसत आयु में कमी आने के पीछे वायु प्रदूषण सबसे बड़ा कारण है, जिसकी इसमें करीब 73 फीसदी भागीदारी है। एक्यूएलआई में औसत आयु पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर वायु प्रदूषण को दुनियाभर में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मत है कि प्रदूषण से उम्र पर पड़ने वाला प्रभाव धूम्रपान और टीबी जैसी बीमारियों से भी ज्यादा है और यदि प्रदूषण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों का सख्ती से पालन किया जाए तो लोगों की उम्र में कई वर्ष की बढ़ोतरी हो सकती है। चिंतनीय स्थिति यह है कि प्रकृति ने पृथ्वी को जितना खूबसूरत बनाया है, प्रदूषण से पृथ्वी प्रदत्त वह खूबसूरती बर्बाद हो रही है। दरअसल दुनिया जितनी तीव्र गति से विकास के मार्ग पर अग्रसर है, उससे भी तेज रफ्तार से प्रदूषण का स्तर बढ़ाने में भी योगदान कर रही है। ऐसे में संजीदगी से प्रदूषण की रोकथाम के गंभीर प्रयास करने की दरकार है क्योंकि यदि प्रदूषण को नियंत्रित नहीं किया गया तो हमारे आने वाली पीढ़ियां बेहद विषैली हवा में सांस लेने को विवश होंगी और इस दुनिया में जन्म लेते ही बच्चे तरह-तरह की बीमारियों के शिकार होंगे। बढ़ते वायु प्रदूषण, गर्म होती धरती और बीमारियों के विस्फोट ने साफ संकेत दे दिए हैं कि पृथ्वी अब और बोझ सहन नहीं कर सकती। यदि अभी कठोर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को हम एक ऐसी दुनिया सौंपेंगे, जहां सांस लेना भी संघर्ष होगा।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि' का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार। सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है।

केंद्र सरकार उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सतत कार्यरतः सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, नई दिल्ली/देहरादून

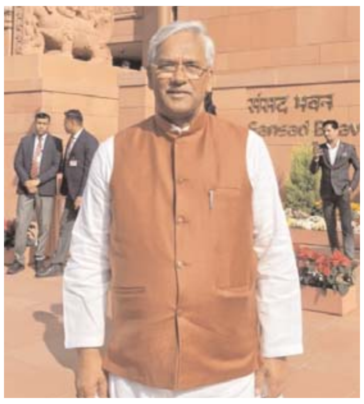

लोकसभा में उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े प्रश्न पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा दिए गए विस्तृत उत्तर पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि केंद्र सरकार उत्तराखंड के त्योहारों, सांस्कृतिक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के लिए अभूतपूर्व कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय और संगीत नाटक अकादमी द्वारा किए जा रहे प्रयासों से राज्य की लोक कलाओं को नई पहचान मिल रही है। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि केंद्रीय मंत्री द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड के 43 केंद्र- संरक्षित स्मारक और पुरास्थल वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की देखरेख में सुरक्षित रखे जा रहे हैं। 'यह हमारे इतिहास और सांस्कृतिक गौरव का प्रमाण है कि प्रदेश की धरोहरों को सर्वोत्तम संरक्षण मिल रहा है,' उन्होंने कहा। संगीत नाटक अकादमी द्वारा उत्तराखंड में लोक एवं पारंपरिक कलाओं के संरक्षण के लिए आयोजित कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि 'कला धरोहर' और 'कला प्रवाह' जैसे उत्सवों ने पहाड़ी संस्कृति को नई ऊर्जा दी है। वर्ष 2023 और 2024 में नैनीताल, देहरादून, टिहरी, चमोली और अल्मोड़ा में आयोजित कार्यशालाओं व महोत्सवों ने स्थानीय कलाकारों, विद्यार्थियों और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत आधार प्रदान किया है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 'कला दीक्षा' योजना की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तराखंड की विशिष्ट और दुर्लभ प्रदर्शन कलाओं—जैसे गढ़वाली लोकगीत (पड़वाणी-मंगलिक), मशकबीन, हुड़का और कुमाऊँनी लोकगीत (नौली, छपेली, भागनौल)—का प्रशिक्षण क्षेत्र के अनुभवी गुरुओं द्वारा कराया जाना एक ऐतिहासिक पहल है। सांसद श्री रावत ने कहा कि यह कदम आने वाली पीढ़ियों तक उत्तराखंड की सांस्कृतिक जड़ों को सुरक्षित रखेगा। केंद्रीय मंत्री द्वारा सांस्कृतिक संस्थाओं को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का जिक्र करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि यह सहायता पर्वतीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को जीवित रखने में बड़ा योगदान दे रही है। वर्ष 2021-22 में पाँच संस्थाओं को 2 लाख रुपये, वर्ष 2022-23 में आठ संस्थाओं को 3.30 लाख रुपये तथा 2023-24 में पाँच संस्थाओं को 2.20 लाख रुपये प्रदान किए गए। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार का जो व्यापक अभियान चल रहा है, उसका प्रत्यक्ष लाभ उत्तराखंड को मिल रहा है। राज्य की सांस्कृतिक आत्मा को संजोने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। यह प्रयास आने वाले समय में उत्तराखंड को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेंगे।

एक नजर

नवगठित बिहार विधानसभा का पहला सत्र शुरू, विधायकों ने ली शपथ

पटना। नवगठित बिहार विधान सभा का प्रथम सत्र सोमवार से प्रारंभ हुआ,जिसके दौरान प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने विधायकों को शपथ दिलाई। विधानसभा की बैठक शुरू होने के बाद प्रोटेम स्पीकर श्री यादव ने कहा कि जनता ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपने प्रतिनिधियों को विधायक चुन कर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि यह नवनिर्वाचित विधायकों की जिम्मेदारी है कि वे देश के लोकतांत्रिक ढांचे में संविधान के प्रावधानों के अनुसार सदन में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएं। यादव ने कहा कि वाईफाई सुविधाओं के साथ विधायकों की सीटों पर 'टैब' की व्यवस्था की गयी हैं, जिसका लाभ उठा कर आधुनिक तकनीक और डिजिटल सुविधा का उपयोग करते हुए सभी सदस्य सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के पास हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और मैथिली सहित चार भाषाओं में शपथ लेने का विकल्प उपलब्ध है। आज शपथ लेने वाले पहले सदस्यों में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा शामिल थे। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, लेसी सिंह, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, संजय कुमार और संजय कुमार सिंह शामिल हैं। पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने मैथिली भाषा में शपथ ली।

प्रोटेम स्पीकर ने सदन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और महागठबंधन के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव तथा कई अन्य विधायकों को शपथ दिलाई, जिनमें प्रेम कुमार, हरि नारायण सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, संजय कुमार पांडे और राम सिंह के नाम शामिल हैं।

इनमे प्रेम कुमार 09वीं बार गया नगर विधानसभा सीट से और हरि नारायण सिंह 10वीं बार हरनौत सीट से चुने गए हैं। सदन की बैठक का पहला दिन नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए निर्धारित है। 02 दिसंबर को नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा, जबकि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान 03 दिसंबर को विधानसभा और बिहार विधान परिषद की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राज्यपाल के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर 04 दिसंबर को बहस होगी और इस पर सरकार भी अपना जवाब देगी। 05 दिसंबर को सदन में बहस के बाद दूसरा पूरक बजट पारित किया जाएगा।

लाल किला विस्फोट मामलाः एनआईए कश्मीर में कर रही है छापेमारी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में दक्षिण कश्मीर में तलाशी अभियान चला रही है। एक सूत्र ने बताया कि शोपियाँ और कश्मीर के अन्य इलाकों में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, जिनमें डॉ. आदिल, डॉ. मुजफ्फर, डॉ. जसीफ और मौलवी इरफान के परिसर भी शामिल हैं। सूत्र ने बताया कि तलाशी अभियान सोमवार सुबह शुरू हुआ और पंद्रह से ज़्यादा एनआईए टीमों को इसमें लगाया गया। लाल किला विस्फोट के सिलसिले में अब तक एनआईए ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआत में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज किया गया यह मामला बाद में गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंप दिया गया था। एजेंसी ने पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ने हमले में एक वाहन-जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (वीबीआईईडी) का इस्तेमाल किया था। वह विस्फोटकों से भरी एक आई20 कार चला रहा था, जिसमें लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और तीस से ज़्यादा घायल हो गए। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अल फलाह विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जावेद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं और दो समन जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया है और छापेमारी के बाद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया है।

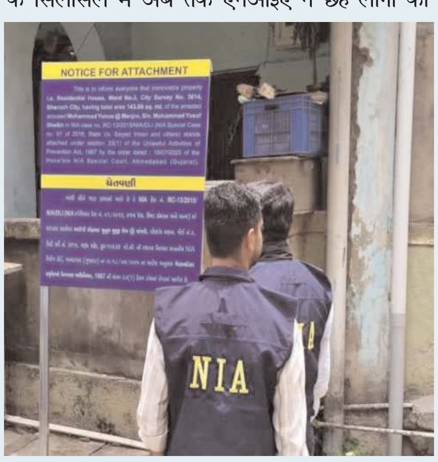

सहायक सेनानायक शांतनु पराशर को एएसपी पद पर पदोन्नति, आईजी ने कंधे पर सजाया अशोक चिह्न

पथ प्रवाह, देहरादून : एसडीआरएफ के सहायक सेनानायक शांतनु पराशर को अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) पद पर पदोन्नति मिलने पर सोमवार को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एसडीआरएफ अरुण मोहन जोशी एवं उपसेनानायक शुभांक रतूड़ी द्वारा शांतनु पराशर के कंधे पर अशोक चिह्न सजाकर उन्हें सम्मानित किया गया। आईजी अरुण मोहन जोशी ने पदोन्नत अधिकारी को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान नहीं, बल्कि यह कर्तव्यनिष्ठा, दक्षता और नेतृत्व क्षमता का विस्तार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एएसपी शांतनु पराशर आगामी दायित्वों को पूर्ण निष्ठा, समर्पण और प्रभावी निर्णय क्षमता के साथ निभाते हुए संगठन की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। आईजी ने कहा कि, 'आपकी पदोन्नति इस बात का प्रमाण है कि आपने अब तक अपनी सेवा में उच्च स्तर की कार्यकुशलता और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। उम्मीद है कि एएसपी के रूप में आप संगठन को और परिणाम-केंद्रित तथा संवेदनशील दिशा देंगे। समारोह में उपसेनानायक एसडीआरएफ शुभांक रतूड़ी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों ने शांतनु पराशर को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

'द ब्रोकन फ्लेम' उपन्यास का भव्य और ऐतिहासिक विमोचन समारोह सम्पन्न

हरिद्वार में साहित्य, संस्कृति और चिंतन का अद्भुत संगम

पथ प्रवाह, हरिद्वार : पवित्र गंगा तट पर बसे धर्मनगरी हरिद्वार में एक ऐतिहासिक साहित्यिक क्षण का साक्षी बनते हुए अंग्रेजी उपन्यास 'द ब्रोकन फ्लेम' के भव्य विमोचन समारोह का आयोजन किया। प्रेस क्लब हरिद्वार के सभागार में अत्यंत गरिमामय वातावरण में हुए इस कार्यक्रम में साहित्य, पत्रकारिता, प्रशासन और समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपन्यास के लेखक लोकेश भारद्वाज ने अपने लेखन से हरिद्वार की साहित्यिक परंपरा में नया आयाम जोड़ दिया।

समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया गया। सभागार में उपस्थित साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस क्षण को अविस्मरणीय बनाया।

मुख्य अतिथि डॉ. ललित नारायण मिश्र (मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार) ने कहा कि साहित्य समाज की आधारशिला है और युवा पीढ़ी को इसकी ओर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने 'द ब्रोकन फ्लेम' की विषयवस्तु को मानवीय रिश्तों की जटिलताओं और भावनात्मक गहराई का संवेदनशील चित्रण बताया। उन्होंने कहा, 'हरिद्वार केवल धर्म का नहीं, बल्कि साहित्य, दर्शन और चिंतन का भी पवित्र केंद्र है। साहित्य मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है और यह समाज को नई दिशा देता है।' उन्होंने लेखक को शुभकामनाएँ देते हुए साहित्यिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती नंदिता कुमार ने अपने वक्तव्य में साहित्य, मीडिया और समाज के बदलते समीकरणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपन्यास को आधुनिक रिश्तों, टूटते विश्वास और उभरती उम्मीदों का संवेदनशील दस्तावेज करार दिया तथा लेखक की लेखन शैली की सराहना की।

अति विशिष्ट अतिथि एसपी सिटी हरिद्वार अभय प्रताप सिंह ने कहा कि साहित्य मनुष्य को तनावपूर्ण जीवन में मानसिक संतुलन और भावनात्मक मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने आशा जताई कि यह उपन्यास समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब हरिद्वार के अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने करते हुए कहा कि प्रेस क्लब हमेशा साहित्यिक और रचनात्मक गतिविधियों को मंच प्रदान करता आया है। उन्होंने कहा कि यह विमोचन समारोह हरिद्वार के साहित्यिक इतिहास में नया अध्याय जोड़ने वाला है।

आयोजक बालकृष्ण शास्त्री ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। लेखक लोकेश भारद्वाज ने बताया कि उपन्यास उनके अनुभवों, संवेदनाओं और समाज के बदलते स्वरूप की समझ की लंबी यात्रा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इसमें मानव मन, रिश्तों और संघर्षों के विभिन्न आयामों को विस्तार से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन राहुल वर्मा ने किया।

इस अवसर पर भाजपा नेता विमल कुमार, डॉ. प्रेमचंद्र शास्त्री, परमिंदर सिंह गिल, विपिन शर्मा, ऋषि शर्मा, पंडित अधीर कौशिक, बी.के. त्रिपाठी, मनोज शुक्ला, राज तिवारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बूंखाल मेले में सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात हमारी शीर्ष प्राथमिकता– डीएम स्वाति एस भदौरिया

पथ प्रवाह, पौड़ी

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि बूंखाल मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, इसलिए सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुचारु रखना अनिवार्य है। सभी विभाग समयबद्ध रूप से तैयारियाँ पूरी करें, ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने सोमवार को जिला कार्यालय में 06 दिसंबर को आयोजित होने वाले बूंखाल मेले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने लोक निर्माण विभाग को सभी चेकपोस्ट का समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने और सड़कों पर किए गए पैचवर्क की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्किंग व्यवस्था व्यवस्थित हो, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही आरटीओ को समय पर साइनेज लगाने के निर्देश भी दिए गए।

पेयजल विभाग को मेला स्थल पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने तथा उरेड़ा विभाग को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित करने, आयोजन स्थल पर लाउडस्पीकर लगाने, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी को मेडिकल कैंप और एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। उन्होंने मेले में लगने वाली डोलियों के पंजीकरण और दुकानदारों के सत्यापन के निर्देश दिए। जिला आबकारी अधिकारी को अवैध मदिरा की बिक्री पर कड़ी कार्रवाई और आवश्यकतानुसार छापेमारी करने के निर्देश भी दिए गए। सर्दी को ध्यान में रखते हुए डीएम स्वाति एस भदौरिया ने चौकियों एवं आवश्यक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था, मेला स्थल पर अग्निशमन प्रणाली, बायो-टॉयलेट और जिला पंचायत द्वारा स्वच्छता एवं झाड़ी कटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग नोडल अधिकारियों की सूची बनाकर संयुक्त मजिस्ट्रेट के साथ समन्वय बनाए रखें और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, अधिशासी अभियंता लोनिवि शिवम् मित्तल, एआरटीओ एन.के. ओझा, एसडीओ वन आएशा बिष्ट, जिला पंचायत की अपर मुख्य अधिकारी भावना रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम स्वाति एस भदौरिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क सुधारने के दिए निर्देश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी ठीक होनी चाहिए। नेटवर्क बाधित होने से लोगों को मूलभूत सेवाओं तक पहुँचने में दिक्कत होती है, इसलिए सभी कंपनियाँ समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

सोमवार को एनआईसी कक्ष में उन्होंने नेटवर्क प्रभावित क्षेत्रों को लेकर सभी नेटवर्क ऑपरेटरों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की विस्तार से समीक्षा की।

डीएम स्वति एस भदौरिया ने सभी ऑपरेटरों को निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर नेटवर्क कमजोर या बाधित है, वहाँ सर्वे कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी राजस्व गांवों एवं ग्राम पंचायतों में नेटवर्क की वास्तविक स्थिति स्पष्ट रूप से सामने आनी चाहिए। उन्होंने ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि समस्त गांवों की सूची अक्षांश एवं देशांतर सहित तैयार कर ऑपरेटर कंपनियों के साथ साझा की जाए, ताकि सुधारात्मक कार्य समयबद्ध हों। ऑपरेटरों को इस सूची के आधार पर ग्राम स्तर तक सर्वे की कार्रवाई करने को कहा गया।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने सभी चिन्हित शैडो क्षेत्रों में नेटवर्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बीएसएनएल को चार नए स्थापित टॉवरों के संचालित न होने पर गंभीरता दिखाते हुए कहा कि विद्युत विभाग के साथ समन्वय कर इन्हें तत्काल संचालित कराया जाए।

बैठक में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान उन्होंने थलीसैंण ब्लॉक के मरोड़ा, खिर्सू के गोदा, रिखणीखाल के द्वारी, पाबौ के सांकर, यमकेश्वर के जुलेड़ी, कोट के व्यासघाट सहित कई गांवों में शीघ्र नेटवर्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कोटद्वार क्षेत्र में बंद पड़े इंडस कंपनी के झुके हुए टॉवर को लेकर जिलाधिकारी ने चिंता व्यक्त की और कंपनी को टॉवर तत्काल हटाने के आदेश दिए। उन्होंने भारत नेट परियोजना के तहत गांवों में बिछाई जा रही ऑप्टिकल फाइबर के कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए जिला पंचायतीराज अधिकारी व बीएसएनएल को विस्तृत फील्ड रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल, डीजीएम बीएसएनएल जय सिंह चौहान, एजीएम बीएसएनएल हरप्रीत सिंह, जिला विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता रणवीर सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत अभिनव रावत, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सचिन भट्ट सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

ऑपरेशन कालनेमी: ढोंगी बाबाओं पर पिथौरागढ़ पुलिस कर रही कार्रवाई

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। ढोंगी बाबाओं के खिलाफ पिथौरागढ़ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस का यह अभियान सफल भी हो रहा है। अब तक पुलिस दर्जनों ढोंगी बाबाओं के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु ऑपरेशन कालनेमी संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद की पुलिस द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में ढोंगी बाबाओं, असमाजिक तत्वों, तथा बाबाओं के वेश में बिना अनुमति/सत्यापन के रहने वाले व्यक्तियों की गहन चैकिंग की जा रही है। जांच के दौरान ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा रही है जो बाबा या साधु के रूप में फर्जी तरीके से निवास कर रहे हैं, जनता को भ्रमित कर सकते हैं या अवैध गतिविधियों में संलिप्त हो सकते हैं। बिना सत्यापन व संदिग्ध परिस्थितियों में रहने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस द्वारा स्थान-स्थान पर आश्रम, धर्मस्थलों एवं अस्थायी डेरों की चेकिंग भी की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को रोका जा सके।

हरिद्वार की सड़कें ओवरलोड: दस हजार से अधिक ई-रिक्शाओं की दौड़

परिवहन विभाग की छापेमारी में खुली अव्यवस्थाओं की पोल

पथ प्रवाह, हरिद्वार, दीपक चौहान

हरिद्वार की सड़कों पर तेज रफ्तार में दौड़ती ई-रिक्शाओं की संख्या अब नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। शहर में करीब दस हजार से अधिक ई-रिक्शा बिना किसी सुव्यवस्थित व्यवस्था के सड़क पर दौड़ लगा रही हैं, जो धीरे-धीरे जनमानस के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। हालांकि, परिवहन विभाग को भी यह पूरी जानकारी नहीं है कि कितने शोरूम और दुकानदार ई-रिक्शा की बिक्री कर रहे हैं। इसी के चलते ई रिक्शा शोरूम और उनके दस्तावेजों की छानबीन की जा रही है।

सर्दियों का मौसम शुरू होने के साथ ही क्षेत्र में कोहरा बढ़ने लगा है। कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग सक्रिय हो गया है। विभाग ने ई-रिक्शा और सेकेंड हैंड वाहनों की खरीद-बिक्री से जुड़े शोरूमों व दुकानों पर विशेष अभियान के तहत जांच शुरू की है।

परिवहन विभाग के एआरटीओ निखिल शर्मा ने ज्वालापुर और कनखल क्षेत्र में स्थित सेकेंड हैंड वाहन डीलरशिप की दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुराना वाहन बेचने के लिए परिवहन विभाग से पंजीकरण कराना अनिवार्य है, जो सड़क सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यदि डीलर बिना पंजीकरण के पुराने वाहन बेचते हैं, तो किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी डीलर पर ही आएगी। ई-रिक्शा शोरूमों की भी गहन जांच की जा रही है कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य कर रहे हैं या नहीं। विभाग यह भी पता लगा रहा है कि कहीं अधिकृत संख्या से अधिक ई-रिक्शा की बिक्री तो नहीं की जा रही। कई जगह निरीक्षण के दौरान जारी मानकों के विपरीत मॉडल भी पाए गए, जिनमें अनधिकृत कैरियर लगे हुए थे। परिवहन विभाग की टीम, जिसमें एआरटीओ प्रवर्तन नेहा झा सहित विभागीय कर्मचारी शामिल रहे। टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर अव्यवस्थाओं का दस्तावेजीकरण किया और शोरूम संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। शहर में ई-रिक्शाओं की अनियंत्रित बढ़ोतरी और नियमों की अनदेखी को देखते हुए परिवहन विभाग अब कड़े कदम उठाने की तैयारी में है, ताकि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके।

डीएम आकांक्षा कोंडे बोली सीएम हेल्पलाइन और हैलो बागेश्वर पर दर्ज शिकायतों का 15 दिनों में निस्तारण

पथ प्रवाह, बागेश्वर

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। जनता दरबार में कुल 25 शिकायतें और समस्याएँ दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का स्थल पर ही निस्तारण कर दिया गया।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने सड़क, बिजली, पानी तथा आधार कार्ड बनाने से संबंधित शिकायतों को सुना। डीएम आकांक्षा कोंडे ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित विभागों को त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। आधार केंद्रों के

संचालन में लापरवाही की शिकायत पर जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने निर्देश दिया कि सभी तहसीलों में आधार मशीनें सक्रिय रहनी चाहिए। उन्होंने ईडीएम को ऑपरेटरों को लेकर आवश्यक कार्यवाही करने तथा पीडब्ल्यूडी को सड़कों पर लटके क्रैश बैरियरों को हटाने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। साथ ही लीड बैंक अधिकारी को महत्वपूर्ण स्थानों पर 24म7 एटीएम क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। जल आपूर्ति संबंधी शिकायतों पर जिलाधिकारी ने जल संस्थान, जल निगम और सिंचाई विभाग को उपकरणों की क्वालिटी की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसके साथ ही कांडा क्षेत्र में टैंकरों द्वारा पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

डीएम आकांक्षा कोंडे ने सीएम हेल्पलाइन और 'हैलो बागेश्वर' पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा भी की और निर्देशित किया कि 15 दिनों से अधिक कोई शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पोर्टल के माध्यम से सीधे शिकायतकर्ताओं से संवाद कर समस्याओं के समाधान की प्रगति बताने के निर्देश दिए। जनता दरबार में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल सहित सभी जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की पहल पर सिंगुणी गांव अब बनेगा 'एस्ट्रो विलेज'

पथ प्रवाह, डुंडा/उत्तरकाशी

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य डुंडा तहसील के सिंगुणी गांव पहुंचे। उन्होंने गांव की भौगोलिक संरचना, उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों, कृषि, पेयजल व सिंचाई व्यवस्था सहित विकास की मौजूदा जरूरतों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिंगुणी की जलवायु और प्राकृतिक आकाशीय दृश्य इसे एस्ट्रो टूरिज्म के लिए उपयुक्त बनाते हैं और भविष्य में गांव एस्ट्रो विलेज के नाम से एक पहचान अर्जित कर सकता है।

प्रशासन की इस पहलकदमियों ने गांव में पर्यटन व ग्रामीण विकास का नया आयाम खोल दिया है।

सोमवार को प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने गांव में भ्रमण के दौरान सिंचाई संकट से जुड़ी स्थिति का अवलोकन किया और अधिकारियों को त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया।

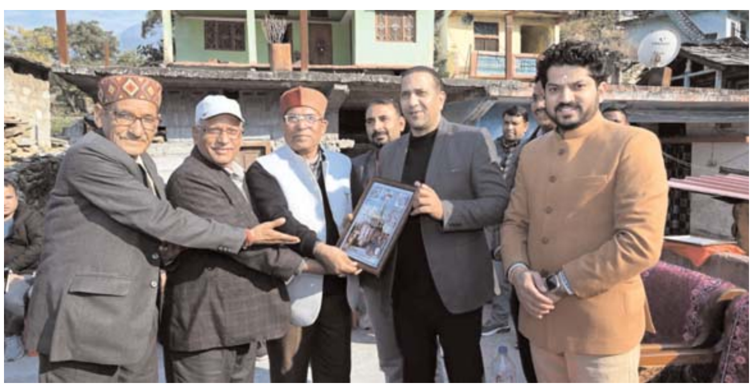

आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण में बच्चों के पोषण, खेल व शिक्षण सामग्री उपलब्धता की समीक्षा करते हुए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने सामुदायिक केंद्र, आधुनिक पुस्तकालय, सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति तथा 100 नाली भूमि मंडी परिषद को दिए जाने से संबंधित आपत्तियां रखीं। जिलाधिकारी ने समस्याएं सुनकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि गांव में होम स्टे योजना के तहत परंपरागत वास्तुकला आधारित आवास विकसित किए जाएंगे। साथ ही नए ट्रैकिंग रूट की संभावनाओं का विस्तार कर पर्यटन को गांव की आय का मजबूत स्रोत बनाया जाएगा।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार ने बताया कि ग्रामीणों से जुड़ी मुख्य मांगों पर जिला स्तर पर प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं। इन पर कार्य जल्द शुरू होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार, पर्यटन और शिक्षा सुविधाओं का विस्तार संभव होगा। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा, सीएओ एसएस वर्मा, सीवीओ एचएस बिष्ट, बीडीओ दिनेश जोशी, ग्राम प्रधान सोहन पाल राणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कानून से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, उपद्रवियों पर जीरो टॉलरेंस:एसएसपी डॉ. मंजूनाथ

नैनीताल पुलिस अलर्ट मोड में—रेलवे भूमि अतिक्रमण केस के फैसले से पहले सख्ती तेज

पथ प्रवाह, नैनीताल

रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में 2 दिसंबर को आने वाले फैसले से पहले नैनीताल जिला पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने साफ कहा है कि 'कानून व्यवस्था से छेड़छाड़ करने वालों को किसी भी हाल में ढिलाई नहीं दी जाएगी। उपद्रव करने, दंगा भड़काने या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही तय है।'

इसी निर्देश के तहत पुलिस ने सोमवार 1 दिसंबर को बड़े स्तर पर अभियान चलाया। एसपी नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्रा और एसपी हल्द्वानी मनोज कत्याल के नेतृत्व में शहर के

संवेदनशील इलाकों में ताबड़तोड़ चैकिंग की गई। पुलिस ने 121 उपद्रवी व्यक्तियों के खिलाफ 126/135 बीएनएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की, जबकि 21 उपद्रवियों को धारा 170 ब्नह्स के तहत हिरासत में लिया गया। इनमें से अधिकांश वे लोग हैं जो पहले बनभूलपुरा हिंसा में थाने में आगजनी और तोड़-फोड़ की घटनाओं में शामिल रहे थे। पुलिस को इनकी गतिविधियों से एक बार फिर भीड़ जुटाकर माहौल बिगाड़ने की आशंका थी।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने कहा कि जिले की कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूर्व में हिंसा में शामिल और आदतन उपद्रवियों की लगातार पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी

नैनीताल पुलिस सिर्फ फील्ड में ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि कोई भी व्यक्ति भड़काऊ पोस्ट, अफवाह, भ्रामक सूचना या ऐसी कोई सामग्री साझा करता है जो कानून-व्यवस्था को प्रभावित करे, तो उसके खिलाफ तुरंत कठोर कार्रवाई होगी।

रेलवे भूमि अतिक्रमण केस के फैसले से पहले पुलिस की यह सख्त तैयारी इस बात का स्पष्ट संदेश है कि शांति व्यवस्था तोड़ने की हर कोशिश पर अब सीधा शिकंजा कसेगा।

अवैध चरस के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली नगर पुलिस द्वारा 401 ग्राम अवैध चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के ड्रग फ्री देवभूमि मिशन 2025 के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में मादक पदार्थो (अवैध शराब/स्मैक/चरस/गांजा आदि) के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रोड चित्रकूट घाट जाने वाले मार्ग के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चार सौ एक ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0 780/2025 NDPS Act अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

धोखाधड़ी के आरोपी को मजबूत पैरवी के चलते एक साल की सश्रम कारावास

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ़ गोविन्द बल्लभ जोशी के पर्यवेक्षण में पिथौरागढ़ पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस की मजबूत पैरवी के चलते धोखाधड़ी के आरोपी को न्यायालय ने एक साल सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनायी है।

03 जनवरी 2022 को ग्राम मेलडुंगरी, जनपद पिथौरागढ़ के किसानों द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में एक सामूहिक शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया था। शिकायत में उल्लेख किया गया कि मनोज नैनवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, Adnes Organics India Pvt. Ltd. ने सितंबर से नवंबर 2021 के मध्य कृषि/पशुपालन परियोजनाओं के नाम पर जनपद के लगभग 147 किसानों से अग्रिम बुकिंग राशि 5,76,325/- वसूली, परंतु निर्धारित समयावधि के पश्चात भी किसी प्रकार की सामग्री उपलब्ध नहीं कराई।

प्राप्त तहरीर के आधार पर कोतवाली पिथौरागढ़ में अभियोग पंजीकृत कर जांच प्रारम्भ की गई। मामले की उत्कृष्ट विवेचना उ0नि0 संजय सिंह द्वारा संपन्न की गई, जिसके उपरांत दिनांक 22 मार्च 2022 को न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

यात्रियों के साथ मारपीट और अभद्रता शर्मनाक : डॉ. विशाल गर्ग

पथ प्रवाह, हरिद्वार

रोड़ी बेलवाला में बाहरी प्रदेश से आए यात्रियों के साथ हुई मारपीट और अभद्र व्यवहार को लेकर प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष डॉ. विशाल गर्ग ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए आए श्रद्धालुओं के साथ मारपीट जैसी घटना न केवल शर्मनाक है, बल्कि हरिद्वार की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। डॉ. गर्ग ने कहा कि बाहर से आने वाले यात्री देवतुल्य माने जाते हैं और उनकी सुरक्षा व सम्मान करना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने मांग की कि दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरिद्वार का व्यापार बाहरी यात्रियों पर टिका है, और इस तरह की घटनाएं न केवल व्यापार को प्रभावित करती हैं, बल्कि अन्य व्यापारियों की भी बदनामी का कारण बनती हैं।

डॉ. गर्ग ने कहा कि यदि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई गईं, तो व्यापार मंडल संबंधित लोगों के खिलाफ आंदोलन चलाने को बाध्य होगा। साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को चिन्हित करने और उन पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

डीएम अंशुल सिंह का स्कूल में निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर जोर

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

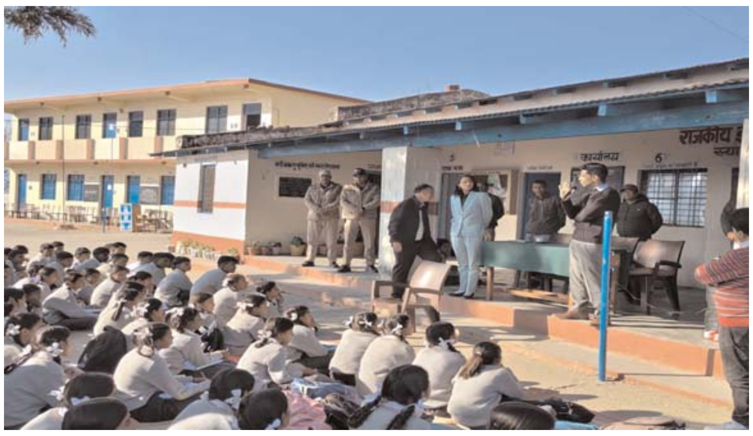

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि 'विद्यालयों की अवस्थापना में सुधार भविष्य की पीढ़ी में निवेश है, इसलिए बच्चों के अध्ययन वातावरण को सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरणादायक बनाना हमारी शीर्ष प्राथमिकता है।' जिलाधिकारी ने सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार का विस्तृत निरीक्षण किया और शिक्षण व्यवस्था तथा बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर, कक्षाओं, हॉल और आधारभूत ढांचे की स्थिति का गहन अवलोकन किया। डीएम ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं और विद्यालय से जुड़ी समस्याओं की जानकारी भी ली।

विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने फर्श, दीवारों और छत में आवश्यक सुधार करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि बच्चों के अध्ययन वातावरण पर सीधा प्रभाव डालने वाले कार्यों को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए। संरचनात्मक सुधारों के लिए एक विशेष टीम द्वारा शीघ्र ही विस्तृत निरीक्षण किए जाने की बात भी कही गई। टीम की रिपोर्ट के आधार पर मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के कार्य समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किए जाएंगे। इसके साथ ही इंटरमीडिएट कक्षाओं के लिए प्रयोगशालाओं के विस्तार और आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि विज्ञान विषय की प्रायोगिक शिक्षा निर्बाध रूप से हो सके। डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार को सुविधाओं की दृष्टि से और अधिक सक्षम बनाना है, जिससे छात्र बेहतर माहौल में शिक्षा प्राप्त कर सकें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र भी मौजूद रहीं।

अधिकारी जनता की समस्याओं का समय से निस्तारण करें: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने की। इस दौरान जिलाधिकारी ने जन समस्याओं के समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण को जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा 41 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का समाधान तत्काल उपस्थित अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही कर दिया गया, जबकि जांच व विभागीय प्रक्रिया अपेक्षित प्रकरणों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही हेतु हस्तांतरित किया गया।

जनसुनवाई में आयी प्रमुख शिकायतें और की गई कार्यवाही

भावना पटनी (नाकोट) द्वारा श्रम विभाग से प्राप्त होने वाली धनराशि में देरी की शिकायत पर जिलाधिकारी ने सहायक श्रम आयुक्त व स्क्यू प्रबंधक को तत्काल बुलाकर समाधान कराया। श्रम विभाग द्वारा बताया गया कि धनराशि उनके स्तर से लाभार्थी के खाते में भेज दी गई है। वहीं बैंक प्रबंधक ने स्पष्ट किया कि राशि खाते में इसलिए नहीं पहुँच सकी है क्योंकि लाभार्थी का चइ्हुष्ट अपडेट नहीं है। लाभार्थी का चइ्हुष्ट अपडेट कर राशि उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए।

न्यू कॉलोनी उर्ग जाजरदेवल के सैनिक परिवारों द्वारा हर घर जल-हर घर नल योजना के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति सुधार हेतु अनुरोध पर जल संस्थान को अविलंब निरीक्षण व आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। एक विधवा महिला ने अपनी पेंशन स्वीकृत होने पर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उसने बताया नवंबर में जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभाग को सख्त निर्देश दिए थे और आज उसकी पेंशन लग गयी है। ग्राम सभा खतीगांव से खेल मैदान निर्माण की मांग पर जिलाधिकारी ने जिला युवा कल्याण अधिकारी को प्रस्ताव पर त्वरित औपचारिक कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण, जर्जर मार्गों की मरम्मत, विद्युत बाधित होने, पेयजल आपूर्ति में सुधार, सोलर लाइट स्थापना, भूमि मुआवजा वितरण तथा मलबा निस्तारण से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुईं, जिन पर भौतिक निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि जनता की प्रत्येक शिकायत का समाधान निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाएगा

सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा

कार्यक्रम के पश्चात अपर जिलाधिकारी द्वारा छ्रह्लहेल्पलाइन 1905 में लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। 36 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए विभागों को शीघ्र समाधान एवं नियमित अपडेट के निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित जनहित समाचारों की समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया।

कार्यक्रम में एसडीएम सदर मनजीत सिंह, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एस. नबियाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उत्तराखंड का पहला जेन-जी (ZEN Z) डाकघर पौड़ी के इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौडी परिसर में हुआ शुरू

पथ प्रवाह, पौड़ी

उत्तराखंड का प्रथम जेन-जी डाकघर का विधिवत् शुभारम्भ मुख्य पोस्टमास्टर जनरल उत्तराखण्ड परिमंडल शशि शालिनी कुजूर तथा निदेशक घुड़दौड़ी इंजीनियरिंग कॉलेज डॉ. विजय कुमार बंगा द्वारा किया गया। तहसील पौड़ी के अन्तर्गत घुड़दौड़ी स्थित गोविन्द बल्लभ पन्त इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में स्थापित यह जेन-जी डाकघर तकनीक और नवाचार की नई सोच से परिपूर्ण है। यह जेन-जी डाकघर पारंपरिक डाक सेवाओं को आधुनिक स्पर्श देता है।

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने कहा कि भारतीय डाक सेवा न केवल देश की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक है, बल्कि आज भी यह जनता की जरूरतों के सबसे निकट और सबसे विश्वसनीय सेवाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि जेन-जी पोस्ट ऑफिस भविष्य की पीढ़ी के लिए तैयार एक अभिनव मॉडल है, जिसमें आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं और पारंपरिक डाक संस्कृति का सुंदर समन्वय किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की सोच, कार्यशैली और उनकी रचनात्मकता को डाक सेवाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। यह पोस्ट ऑफिस केवल सेवा केंद्र नहीं, बल्कि एक इंटरऐक्टिव प्लेटफॉर्म होगा जहाँ युवा संचार, वित्तीय समावेशन और डिजिटल नवाचार की वास्तविक दक्षताओं को अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने इसे डिज़ाइन और सजाने में योगदान देने वाले सभी छात्रों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका यह योगदान डाक विभाग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग के नए द्वार खोलेगा।

उन्होंने कहा कि जेन-जी डाकघर में पारंपरिक डाक सेवाओं को आधुनिक स्वरूप देते हुए माई-स्टाम्प काउंटर, पार्सल बुकिंग एवं पैकेजिंग सुविधा, पीपीएफ और आईपीपीबी जैसी वित्तीय सेवाएँ व विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए साप्ताहिक व पाक्षिक परामर्श शिविर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गयी हैं। यह डाकघर न केवल दस्तावेज़, पार्सल या वित्तीय सेवाओं का केंद्र होगा, बल्कि छात्रों के लिए एक ऐसा स्थान भी बनेगा जहाँ वे संचार, डिजिटल लेनदेन और सरकारी सेवाओं की प्रक्रियाओं को वास्तविक रूप से समझ सकेंगे।

निदेशक डॉ. विजय कुमार बंगा ने कहा कि यह जेन-जी पोस्ट ऑफिस केवल एक सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व विकास का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर में स्थापित यह डाकघर युवा इंजीनियरों को नवाचार, प्रबंधन, पारंपरिक रूप से संचार कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व को समझने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि छात्र लक्ष्य ऊँचा रखें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें।

अधीक्षक डाकघर दीपक शर्मा ने बताया कि जेन-जी पोस्ट ऑफिस विशेष रूप से छात्रों के लिए कई लाभ प्रदान करेगा। छात्र किसी भी डॉक्यूमेंट की स्पीड पोस्ट पर 10 प्रतिशत की छूट प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त आधार अपडेट/एनरोलमेंट, डिजिटल बचत योजना, ईमेल-सक्षम सेवाएँ, परीक्षा फार्म भेजने, शिक्षण-सामग्री पार्सल पर सुविधा, कैरियर मार्गदर्शन शिविर, और छात्रों के लिए समय-समय पर आयोजित डिजिटल वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण भी उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह पोस्ट ऑफिस युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने का एक जीवंत माध्यम बनेगा। यहाँ छात्र न सिर्फ सेवाएँ प्राप्त करेंगे, बल्कि डिजिटल इंडिया की अवधारणा को समझते हुए आधुनिक डाक तंत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली का अनुभव भी करेंगे।

एक नजर

अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर पिथौरागढ़ पुलिस की कड़ी चौकसी

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पिथौरागढ़ पुलिस कड़ी चौकसी बरत रही है। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में जनपद पुलिस एसएसबी के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों पर लगातार कड़ी निगरानी कर रही है।

सीमावर्ती क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व अवैध गतिविधियों पर रोक हेतु नियमित रूप से सघन चेकिंग अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को एसएचओ कोतवाली झूलाघाट संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा भारत नेपाल पुलिस झूलाघाट में, एसओ कोतवाली अस्कोट सुरेश कम्बोज के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा भारत नेपाल सीमा अस्कोट क्षेत्र में तथा एसओ बलुवाकोट मेघा शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सीमा पुलिस बलुवाकोट में एसएसबी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से, आने-जाने वाले व्यक्तियों, व सामान की सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान यात्रियों के सामान की गहन जाँच की गई, संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया गया, सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए गए। पिथौरागढ़ पुलिस जनपद में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर इसी प्रकार कड़ी एवं सतत चौकसी बनाए हुए है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com